BIHAR FOUNDATION
BONDING • BRANDING • BUSINESS

बिहार सरकार
उद्योग विभाग

+91 0612 2547371
+91 85442 99526
https:// biharfoundation. bihar.govt.in

# सम्प्रति बिहार

## बिहार फाउन्डेशन की प्रस्तुति

बिहार के महत्वपूर्ण अखबारों में छपे **सकारात्मक** समाचारों का संकलन

आषाढ़ शुक्ल पक्ष तृतीया शनिवार विक्रम संवत् 2079। 02 जुलाई 2022

JKDESIGN 8369994118



6TH FLOOR, INDIRA BHAWAN, RCS PATH, PATNA-800001. BIHAR, INDIA.

**बिहार इंवेस्टर्स मीट** • उद्योग मंत्री ने कहा-बिहार की टेक्सटाइल व लेदर पॉलिसी सबसे अच्छी

# उद्योगपतियों से शाहनवाज ने कहा- बिहार में निवेश किसी हाल में घाटे का सौदा नहीं होगा

**पॉलिटिकल रिपोर्टर** | पटना

उद्योग मंत्री शाहनवाज हुसैन ने कहा कि बिहार की टेक्सटाइल व लेदर पॉलिसी देश में सबसे अच्छी है। बिहार में निवेश, किसी हाल में घाटे का सौदा नहीं होगा। वे शुक्रवार को कोलकाता में बिहार इंवेस्टर्स मीट को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने उद्योगपतियों और कंपनियों के प्रतिनिधियों से यह भी कहा-'हम खुद चलकर आप लोगों के दरवाजे तक जा रहे हैं। हम जो कहेंगे,वो करेंगे।' मंत्री ने कहा कि बिहार में उद्योगों की स्थापना के लिए 2900 एकड़ का लैंड बैंक है। 73 औद्योगिक क्षेत्र पूरी सुविधाओं के साथ तैयार हो रहे हैं। बिहार और आसपास के राज्यों के कुल 7 एयरपोर्ट, बिहार के हर जिले को बेहतरीन एयर कनेक्टिविटी उपलब्ध कराते हैं। सड़क और रेल का बड़ा नेटवर्क बिहार में है। टेक्सटाइल और लेदर सेक्टर में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए बेहतरीन पॉलिसी बनी है। इसके तहत हम 10 करोड़ तक की सब्सिडी दे रहे हैं। सिर्फ 2 रुपए प्रति यूनिट बिजली मिलनी है। 1 साल में अधिकतम 10 लाख तक फ्रेट सब्सिडी का प्रावधान है। प्रति कर्मी 5000 रुपए का मासिक रोजगार अनुदान भी दिया जाएगा।

**उद्योगपतियों ने अफसरों से भी बात की :** उद्योगपतियों व कंपनियों के प्रतिनिधियों ने उद्योग विभाग के प्रधान सचिव संदीप पौण्डरीक व अन्य अफसरों से, बिहार में निवेश को हकीकत में बदलने के उपायों पर चर्चा की। इस सत्र में यूएएल इंडस्ट्रीज लि., वेस्टर्न कैरियर्स लि., हेराल्ड फूड एंड कॉमोडिटीज, एबन इंडस्ट्री, कोलकाता लेदर क्राफ्ट्स, एईकॉम समेत 20 कंपनियां शामिल रहीं।

**बिहार सरकार की स्कीम शानदार :** इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स (आईसीसी) के डीजी राजीव सिंह ने कहा कि बिहार, निवेश के लिए पूरी तरह तैयार है। राज्य सरकार जो प्लग एंड प्ले फैसिलिटी दे रही है, वह शानदार स्कीम है। अब कोई कारण नहीं है कि बड़ी कंपनियां बिहार में निवेश से परहेज करें।

कोलकाता में बिहार इंवेस्टर्स मीट को संबोधित करते बिहार के उद्योग मंत्री शाहनवाज हुसैन।

## उद्योगपति/कंपनियों ने कोलकाता में इंवेस्टर्स मीट में की बिहार की तारीफ

- **मयंक जालान (चेयरमैन, केवेंटर्स एग्रो) :** हम कहलगांव में 600 करोड़ का निवेश करेंगे। एक इंवेस्टर को दो चीजें चाहिए-निवेश की सुरक्षा और ग्रोथ की संभावना। अब बिहार में ये दोनों चीजें हैं।
- **हरनजीत सिंह (ज्वाइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, जेआईएस ग्रुप) :** हम लॉजिस्टिक्स सेक्टर में 300 करोड़ का निवेश करेंगे।
- **विकास अग्रवाल (डायरेक्टर, रूपा कंपनी लिमिटेड) :** बिहार सरकार की टेक्सटाइल और लेदर पॉलिसी देश की बेहतरीन पॉलिसी में से एक है। बिहार में इंफ्रास्ट्रक्चर, इज ऑफ डूईंग बिजनेस में तरक्की के साथ श्रमशक्ति की पर्याप्त उपलब्धता इसे निवेश के लिए उपयुक्त डेस्टिनेशन बनाता है। गुड गवर्नेंस से राज्य में निवेशकों का भरोसा बढ़ा है।
- **संजय कुमार जैन (एमडी, टीटी लिमिटेड) :** टीटी ग्रुप बिहार में निवेश करेगा। एक साल के भीतर उत्पादन शुरू हो जाएगा।

सौजन्य से दैनिक भास्कर | पटना | 02.07.2022 | पृष्ठ सं० 01

### कोलकाता में इन्वेस्टर्स मीट • देश की 50 बड़ी कंपनियां हुईं शामिल

# बिहार में केवेंटर्स एग्रो और जेआईएस ग्रुप 900 करोड़ रु. का निवेश करेगा

## टेक्सटाइल, लॉजिस्टिक्स, सीमेंट में होगा निवेश, रूपा और टीटी भी तैयार

पॉलिटिकल रिपोर्टर | पटना

पश्चिम बंगाल व पूर्वोत्तर भारत की कई कंपनियां बिहार में निवेश करेंगी। इसमें केवेंटर्स एग्रो 600 करोड़, जेआईएस ग्रुप 300 करोड़ का निवेश करेगा। इसके अलावा रूपा कंपनी और टीटी लिमिटेड ने भी निवेश करने को कहा है। शुक्रवार को कोलकाता के बिहार इंवेस्टर्स मीट में कई निवेशक निवेश को तैयार हुए तो कई ने भरोसा जताया। उद्योग मंत्री शाहनवाज हुसैन ने कहा कि बंगाल और पूर्वोत्तर के उद्योगपति बिहार को अपना सेकेंड होम मानें और बेहिचक निवेश करें। मीट में 50 कंपनियां शामिल हुईं। पढ़ें शासन-प्रशासन

### शाहनवाज बोले-बिहार को 'सेकंड होम' समझें व्यवसायी

कोलकाता में बिहार इन्वेस्टर्स मीट में उद्योग मंत्री शाहनवाज हुसैन।

### ये बड़ी कंपनियां मौजूद रहीं

कोलकाता मीट में केवेंटर्स एग्रो, रूपा एंड कंपनी, टीटी लिमिटेड, सेंचुरी प्लाई, अंबुजा ग्रुप, एमपी बिरला ग्रुप, टीएम इंटरनेशनल, वेस्टकॉम लॉजिस्टिक्स, फेनेशिया ग्रुप, सारनॉक हॉस्पिटल, एएमआई हॉस्पिटल, बंगाल नेस्टर्स इंडस्ट्रीज, वाशरबेरी टी कंपनी, विदित ग्रुप आदि के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

### 30 कंपनियों से सीधी बात

उद्योग मंत्री से सीधी बातचीत में टीएम इंटरनेशनल लॉजिस्टिक लि.,एईकॉम, जेसी फेनेसिया ग्रुप, आईमेक्स ग्लोबल, मैक इंटरनेशनल, निम्बार्ग एंड न्यूसिमैक्स इंटनेशनल, घोष मेडिकल एजेंसी, सोनाली, विडीट ग्रुप, वाईएलएफ, बिरला कारपोरेशन, जूट बेरी समेत 30 कंपनियों के प्रतिनिधि रहे।

सौजन्य से दैनिक भास्कर | पटना | 02.07.2022 | पृष्ठ सं० 2

## जीएसटी दिवस . कार्यक्रम में डिप्टी सीएम तारकिशोर ने कहा

# जीएसटी लागू होने के बाद आयकर दाता तीन गुना व राजस्व दोगुना बढ़ा

**वाणिज्य कर**

संवाददाता ▸ पटना

**माल** और सेवा कर प्रणाली (जीएसटी) लागू होने के समय टैक्स पेयर (आयकर दाता) बेस मात्र 1.72 लाख था, जो वर्तमान में बढ़ कर छह लाख लाख से अधिक हो चुका है. यही नहीं, जीएसटी लागू होने से पहले के वित्तीय वर्ष 2016-17 में वाणिज्य कर विभाग बिहार का राजस्व संग्रहण 18751 करोड़ था, जो वर्ष 2021-22 में लगभग दो गुना अर्थात 35884 करोड़ हो गया है. शुक्रवार को मुख्य सचिवालय स्थित सभागार में वाणिज्य कर विभाग द्वारा जीएसटी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री-सह-वाणिज्य कर मंत्री तारकिशोर प्रसाद ने उक्त जानकारी दी. उन्होंने बताया कि एक जुलाई, 2017 को बिहार सहित पूरे देश में जीएसटी लागू होने के बाद इसके प्रति लोगों का विश्वास और कर (टैक्स) आधार में वृद्धि हुई है.

### देश में कर संग्रहण के क्षेत्र में क्रांति

उन्होंने कहा कि माल और सेवा कर प्रणाली के लागू होने से देश में कर संग्रहण के क्षेत्र में क्रांति आयी है. विगत वित्तीय वर्ष 2021-22 में बिहार का बजट 218000 करोड़ रुपये का था, जो वर्तमान वित्तीय वर्ष में बढ़ कर 237000 करोड़ रुपये का हो गया है. बिहार प्रदेश उन सर्वोच्च पांच राज्यों में शामिल हुआ है, जिसने विगत वित्तीय वर्ष में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक का खर्च विकास योजनाओं पर किया है. उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारियों ने सरकार की प्रतिबद्धता को महसूस करते हुए अपनी कार्यशैली और नजरिये में बदलाव लाया है, जिससे राज्य को कर संग्रहण में लाभ मिल रहा है. जीएसटी प्रणाली में आगे और भी सुधार हेतु मंत्रियों के कई समूह बनाये गये हैं. इस अवसर पर वाणिज्य कर विभाग की राज्य - कर आयुक्त-सह- सचिव डॉ प्रतिमा, वरीय अधिकारी अरुण मिश्रा, चैंबर ऑफ कॉमर्स के अमित मुखर्जी, बीआइए के उपाध्यक्ष अरविंद सिंह आदि मौजूद थे.

### वाणिज्य कर विभाग को प्रवर्तन कार्य के लिए मिले 21 स्कॉर्पियो

**पटना.** वाणिज्य कर विभाग के प्रवर्तन कार्य को सुदृढ़, गोपनीय और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से विभाग को 21 स्कॉर्पियो वाहन उपलब्ध कराया गया है. उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने अंटा घाट स्थित वाणिज्य-कर विभाग के कार्यालय प्रांगण से इन वाहनों को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया. उन्होंने कहा कि वाणिज्य कर विभाग कर-संग्रहण के मामले में बेहतर काम कर रहा है. राज्य के कर संग्रहण में वाणिज्य-कर विभाग का 80 प्रतिशत से अधिक योगदान है. यह वाहन राज्य के विभिन्न कार्यालयों को सुलभ कराया गया है. इस मौके पर वाणिज्य-कर विभाग की राज्य-कर आयुक्त -सह- सचिव डॉ प्रतिमा, विभाग के वरीय पदाधिकारी अरुण मिश्रा, विभागीय मुख्यालय एवं अंटा घाट स्थित वाणिज्य-कर कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित थे.

सौजन्य से प्रभात खबर | पटना | 02.07.2022 | पृष्ठ सं० 02

# बिहार में हुआ रिकॉर्ड 17 हजार 671 मिलियन यूनिट बिजली का

- यह अब तक का सर्वाधिक बिजली उत्पादन
- एनटीपीसी से होने वाले उत्पादन में 30% की वृद्धि

पटना। बिहार के बिजली घरों से रिकॉर्ड बिजली उत्पादित हुई है। संयुक्त उद्यम (जेवी) और सहायक कंपनियों को मिलाकर एनटीपीसी पूर्वी क्षेत्र-एक की इकाइयों ने वित्तीय वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में 17 हजार 671 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन किया। वित्तीय वर्ष 2021-22 की तुलना में हुए उत्पादन से यह 30.48 प्रतिशत से भी अधिक है। यह अब तक का सर्वाधिक बिजली उत्पादन है।

एनटीपीसी पूर्वी क्षेत्र- एक के तहत बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में स्थित कुल आठ बिजली घर हैं, जिनकी उत्पादन क्षमता 10 हजार 510 मेगावाट है। वहीं 3720 मेगावाट क्षमता की यूनिट निर्माणाधीन हैं। एनटीपीसी के प्रवक्ता विश्वनाथ चंदन ने कहा कि बिहार में एनटीपीसी संयंत्रों से कुल 6030 मेगावाट का बिजली आवंटन है, जिसमें से 5428 मेगावाट की आपूर्ति एनटीपीसी के पूर्वी क्षेत्र- एक के बिजली उत्पादन संयंत्रों से ही की जा रही है। पूर्वी क्षेत्र- एक के विद्युत संयंत्रों से उत्पादित बिजली ने बिहार की विद्युत आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ ही अन्य राज्यों की जरूरतें पूरी करने में भी योगदान दिया है। वर्तमान में एनटीपीसी समूह के पास 78 बिजली स्टेशनों के साथ 69 हजार 134 मेगावाट से अधिक की स्थापित क्षमता है, जिसमें 34 नवीकरणीय परियोजनाएं शामिल हैं। बिजली उत्पादन के साथ-साथ, एनटीपीसी ने ई-मोबिलिटी और वेस्ट-टू-एनर्जी जैसे विभिन्न नए व्यावसायिक क्षेत्रों में भी उद्यम स्थापित किया है और केंद्र शासित प्रदेशों में बिजली वितरण के लिए बोलियों में सक्रियता दिखाई है।

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 02.07.2022 | पृष्ठ सं० 1

# Successful trial run of goods trains on Dehri bridge tracks

**Kumod Verma**

**Patna:** With the successful trial run of goods trains on the two newly laid dedicated freight (DFC) corridor tracks on the Dehri-Sonenagar rail bridge under Pt Deen Dayal Upadhyaya division of the East Central Railway (ECR), the rail track capacity has now increased to five on the bridge, which is the first of its kind in Indian Railways.

According to ECR chief public relations officer (CPRO) Birendra Kumar, the DFC tracks are exclusively built for the segregated movement of goods trains from Dankuni in West Bengal to Ludhiana in Punjab via Khurja in Uttar Pradesh, a stretch of 1839km. Completion of the eastern DFC tracks will have added advantage for railways in future to transport goods from one end to another in the country at the maximum permissible speed of goods trains at 75 to 100km per hour, he said.

Railways is already running about 200 passenger and goods trains daily on three other existing rail tracks on the Dehri-Sonenagar bridge on the Grand Chord (GC) route from Howrah to Pt Deen Dayal Upadhyaya Junction via Gaya.

TOI

An aerial view of the trial run of trains on Dehri-Sonenagar rail bridge

## Howrah-Gorakhpur special train

**Railways will run a festival special train (03031/03032) between Howrah and Gorakhpur on July 7 from Howrah and July 8 from Gorakhpur end. It will run via Jhajha-Barauni-Shahpur Patori-Hajipur. According to ECR chief public relations officer Birendra Kumar, the festival special train will leave Howrah at 11pm on July 7 and reach Gorakhpur the next day at 5.30pm. On its return journey, it will leave Gorakhpur at 7.30pm on July 8 and reach Howrah the next day at 12.35pm, he said.** TNN

सौजन्य से टाइम्स ऑफ इंडिया | पटना | 02.07.2022 | पृष्ठ सं० 3

# बिहार कोविड अपडेट

| | |
|---|---|
| ⇒ कुल सक्रिय मामलों की संख्या | 1029 |
| ⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान नए पॉज़िटिव मामलों की संख्या | 179 |
| ⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान स्वस्थ हुए मरीजों की संख्या | 142 |
| ⇒ कुल वैक्सीनेशन | 13,66,30,798 |
| ⇒ कम से कम एक डोस | 7,13,17,772 |
| ⇒ पूर्ण वैक्सीनेटेड | 6,18,71,643 |

# बिहार फाउन्डेशन नेटवर्क

## विदेश अवस्थित चैप्टर

कतर
दक्षिण कोरिया
जापान
हॉग कॉग
यू.ए.ई.
सिंगापुर
बहरीन
न्यूजीलैंड
कनाडा
यू.एस.ए.
ऑस्ट्रेलिया
सऊदी अरब

## देश अवस्थित चैप्टर

मुम्बई
हैदराबाद
पुणे
चेन्नई
नागपुर
गुजरात
कोलकाता
वाराणसी
गोवा

## पाठकों से अपील

### बिहार फाउन्डेशन के जुड़ने के लिए

बिहार फाउंडेशन उद्योग विभाग के अन्तर्गत राज्य सरकार की एक निबंधित सोसाईटी है जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य के बाहर बसे देश-विदेश अवस्थित बिहारी समुदायों को उनके स्वयं के बीच तथा गृह राज्य के साथ जोड़ने का है। वर्तमान मे बिहार फाउंडेशन के कुल 21 चैप्टर्स हैं. बिहार फाउंडेशन से जुड़ने के लिए नीचे दिए वेबसाइट पर जाकर Non Resident Bihari Registration पर क्लिक करें और उपलब्ध फार्म को भरकर जमा करें -

**https://biharfoundation.bihar.gov.in.**